

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 26}

नई विल्ली, शमिवार, अक्तूबर 5, 1996/आरियन13, 1918

No. 26]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 5, 1996/ASVINA, 13, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संक्षा वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a

separate compilation
भाग II—इण्ड 3—उप-वण्ड (fil)

PART II—Section 3—Sub-section (lil)

केंग्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारो किए गए कानेश और अधिस्वनाएँ Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन श्रायोग

मर्ड दिल्ली, 17 सितम्बर, 1996

आ. आ. 101 — यतः 15 फरवरी, 1993 से निर्वावनों का संवालन (विसीय संगोधन) नियम 1993 द्वारा यथा संगोधित, निर्वाचनों का संवालन नियम, 1961 के नियम 59क में उपक्षित है कि निर्वाचन प्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन केस में निर्वाचनों के अभिसास और उरिपड़न की साम्रांता है और उसका यह मत है कि मतदान केन्द्र कार अत्रापना करने के बनाय उसत निर्वाचन क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्नों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितान्त आवश्यक है ती वह इस हैतु शासकीय राज्यत में अधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वा किला की की विनिर्विष्ट करेगा।

यः और यतः, निर्वाचनों का संवालन नियम, 1961 के उन्त नियम 59 क के प्रधीन ऐसे निर्देशन होने पर विनिर्विष्ट निर्वाचन क्षेत्र के मत्यश्रों की गणना मत्यान केन्द्रवार गणना करते के बजाव, गिथित करके की जाएगी।

और यतः, निर्माचन श्रायोग ने इस मामले का सायधानीपूर्विक श्रायम किया है और यह निष्मय किया है कि
भान्ध्र प्रदेश राज्य के 27 नन्दयाल संस्वीय निर्वाचन क्षेत्र
में बर्तमान स्थिति के पिरिप्रेक्ष्य में और स्वतंत्र और निष्मुक्ष
निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाब और सुरक्षा
के लिए भी एवम् उस निर्वाचन क्षेत्र में, निर्वाचकों के
भाषित्रास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से, उन्त संसदीय सभा निर्वाचन क्षेत्र को, लोक सभा के उप निर्वाचन में, जो कि उक्त रासदीय निर्वाचन क्षेत्र में प्रगति उन्मुख है, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उन्त नियम 59 क के
भाषीन विनिर्विष्ट किया जाए।

4. श्रतः, श्रबः, निर्वाचन श्रायोग एसद्हारा मान्ध्र प्रदेश राज्य में उन्त 27 नन्दयाल संसदीय निर्वाचन श्रेत को ऐसे निर्वाचन क्षेत्र के रूप में विनिर्विष्ट करता है, जिसमें, यथाएंशोधित, निर्वाचनों का संचालम नियम 1961 के नियम 59 क के 'उपबंध, उक्त लोक समा के उप निर्वाचन में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, लागु होंगे।

[सं. 470/96/न्या. 11] श्रादेश से,

एत. के. मैदोरत्या, प्रधान सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 17th September, 1996

- O.N. 101.—Whereas, rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;
- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59-A of the Conduct of elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in 27-Nandyal Parliamenary Constituency in the State of Andhra Pradesh and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of electors in that Constituency, the said Parliamentary Constituency may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the bye-election to the House of the People, in that State from the said Parliamentary Constituency now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies the said 27-Nandyal Parliamentary Constituency in the State of Andhra Pradesh as the constituency to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the bye-election to the House of the People in that State

[No. 470/96/JUD-II]
By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1996

आ आ 102 — यतः, 15 फरवरी, 1993 में निर्वाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यथा संशोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59 क में उपवंधित है कि निर्वाचन श्रायोग को उहां किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में निर्याचकों के श्रभिद्धास और उत्पीदन

की ब्राशंका है और उसका यह मत है कि मतदान केन्द्रवार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन क्षेत्र में प्रयुक्त मत पेटियों में से सभी मतपत्नों को निकालकर गणना से पहले मिलाया उसना नितान्त श्रावण्यक है तो बहु इस हेतु शाम कीय राजपत में ब्राधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन क्षेत्र को विनिद्दिष्ट करेगा।

2. और यत:, निविचनों का संवालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59 क के प्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर विनिर्दिष्ट निर्माचन क्षेत्र के मतपत्नों की गणना मतवान केन्द्रवार गणना करने के बजाय, मिश्रित करके की जाएगी।

और यतः, निर्वाचन ग्रायोग न इस मामले का सावधानीपूर्वक ग्रध्ययन किया है और यह निश्चय किया है कि गुजरात राज्य के 11 गांधीनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में और स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के हित में तथा निर्वाचकों के बचाव और सुरक्षा के लिए भी एवम् उस निर्वाचन क्षेत्र में, निर्वाचकों के प्रभित्नास और उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से, उक्त संसदीय सभा निर्वाचन क्षेत्र को, लोक सभा के उपनिर्वाचन में, जो कि उक्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में प्रगति उन्मुख है, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, उक्त नियम 59 क के ग्रधीन विनिद्दिट किया जाए।

4 श्रतः, श्रवः, निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा गुजरात राज्य में उक्त 11 गांधी नगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को ऐसे निर्वाचन क्षेत्र के रूप में विनिर्दिष्ट करता है, जिसमें, यथासंगोधित, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 59 के के उपबंध, उक्त लोक सन्ता के उप निर्वाचन में, मतों की मतणना के प्रयोजनार्थ, लागू होगें।

> [सं. 470/96/न्या]] श्रादेश से एस. के. सैंदीरन्ता, प्रधान सचित्र

New Delhi, the 17th September, 1996

- O. N. 102.—Whereas, rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely accessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used in that constituency should be mixed before counting instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;
- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59-A of the Conduct of elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;

- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in 11-Gandhi Nagar Parliamentary Constituency in the State of Gujarat and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of electors in that Constituency, the said Parliamentary Constituency may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the bye-election to the House of the People, in that State from the said Parliamentary Constituency now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies the said 11-Gandhi Nagar Parliamentary Constituency in the State of Gujarat as the constituency to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the bye-election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/JUD-11]
By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.

नई विल्ली, 17 सितम्बर, 1996

श्रा. श्रा. 103.—यतः 15 फरवरी, 1993 से निर्धाचनों का संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम 1993 द्वारा यथा संशोधित निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के निमय 59फ में उपबंधित है कि निर्वाचन ग्रायोग को जहां किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचनों के ग्रामिश्नास ग्रीर उत्पीड़न की ग्राणंका है श्रीर उसका यह मत है कि मतदान केन्द्र-वार मतगणना करने के बजाय उक्त निर्वाचन क्षेत्र में प्रयुक्त मतपेटियों में से सभी मतपत्रों को निकाल कर गणना से पहले मिलाया जाना नितांत ग्रावण्यक है तो वह इस हेतू शासकीय राजपत्र में ग्राधिसूचना द्वारा ऐसे निर्वाचन क्षेत्र को विनिर्दिष्ट करेगा।

2. और यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के उक्त नियम 59क के प्रधीन ऐसे विनिर्देशन होने पर, विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र के मसपत्नों की गणना मतदान केन्द्र - बार गणना करने के बाजाय मिश्रित करके की जाएगी।

श्रीर यतः, निर्वाचन श्रायोग ने इस मामले का सावधानी पूर्व क अध्ययन किया है और यह निरुचय किया है कि उड़ीसा राज्य के 6-कटक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में वर्तमान स्थिति के परिश्रेक्ष्य में श्रीर स्वतंत्र श्रीर निष्पक्ष निर्वाचम के हित में तथा निर्वाचकों के बचाब श्रीर सुरक्षा के लिए भी एवम् उस निर्वाचन क्षेत्र में, निर्वाचकों के श्रीक्षत्रास श्रीर उत्पीड़न को रोकने की दृष्टि से, उक्त संसदीय सभा निर्वाचन - क्षेत्र को, लोक सभा के उप-निर्वाचन में, जो कि उक्त संसदीय

निविचन-क्षेत्र में प्रगति उन्मुख है, मतों की गणना के प्रयो जनार्थ उक्त नियम 59क के स्रधीन विनिधिक किया जाएगा

4. ग्रतः ग्रव, निर्वाचन ग्रायोग एतदहारा उड़ीसा राज्य में उक्त 6-कटक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को ऐसे निर्वाचन- क्षत्र के रूप में विनिद्धिट करता है जिसको यथा संशोधित, निर्वाचनों का संचालन निय, 1961 के निरुम 5६क के उपबंध, उक्त लोक सभा के उप-निर्वाचन में, मतों की गणना के प्रयोजनार्थ, लागु होगे।

[सं. 470/96/न्या. 11] आदेश से. एस.के. मैवीरत्ता, प्रधान सचिव

New Delhi, the 17th September, 1996

- O.N. 103.—Whreas, rule 59-A of the Conduct of Elections Rules, 1961 as amended by the Conduct of Elections (Second Amendment) Rules, 1993 with effect from 15th February, 1993, provides that where the Election Commission apprehends intimidation and victimisation of electors in any constituency and it is of the opinion that it is absolutely necessary that ballot papers taken out of all ballot boxes used that constituency should be mixed before counting, instead of being counted polling stationwise, it may, by notification in the Official Gazette, specify such constituency;
- 2. And whereas, on such specification under the said rule 59A of the Conducts of elections Rules, 1961, the ballot papers of the specified constituency shall be counted by being mixed instead of being counted polling stationwise;
- 3. And whereas, the Election Commission has carefully considered the matter and has decided that in the light of the prevailing situation in 6 Cuttak Parliamentary Constituency in the State of Orissa and in the interests of free and fair election and also for safety and security of electors and with a view to preventing intimidation and victimisation of electors in that Constituency, the said Parliametary Constituency may be specified under the said rule 59A for the purposes of counting of votes at the bye-election to he House of the People, in that State from the said Parliamentary Constituency now in progress;
- 4. Now, therefore, the Election Commission hereby specifies the said 6-Cuttak Parliamentary Constituency in the State of Orissa as the constituency to which the provisions of rule 59A of the Conduct of Elections Rules, 1961, as amended, shall apply for the purposes of counting of votes at the bye-election to the House of the People in that State.

[No. 470/96/JUD-II]
By Order,
S. K. MENDIRATTA, Principal Secy.